तिहाड़ जेल में विचाराधीन कैदियों की मृत्यु

257. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **गृह** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995 में तिहाड़ जेल में कितने विचाराधीन कैदियों की मृत्यु हुई है;

(ख) इसके मुख्य कारण क्या हैं; और

(ग) क्या इसी अवधि में महिला कैदियों के गर्भवती होने के मामले सामने आये हैं और यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० एम० कामसन): (क) और (ख) वर्ष 1995 के दौरान केन्द्रीय जेल, तिहाड़ में 30 विचाराधीन कैदियों की मृत्यु हुई। इनमें से 3 विचाराधीन कैदियों ने आत्महत्या की । शेष 27 विचाराधीन कैदियों में से 11 क्षयरोग के कारण, 5 हृदय रोग के कारण, 2 गम्भीर श्वांस की तकलीफों के कारण और शेष 9 अन्य बीमारियों के कारण मरे। इन मामलों में, प्रत्येक में सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 176 के अंतर्गत मृत्यु समीक्षा कार्यवाही की गई है।

(ग) इस अवधि के दौरान एक महिला कैदी के गर्भवती होने के संबंध में एक मामला ध्यान में आया है। इस मामले की जांच करने के लिए एक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को कहा गया है।

टेलीफोन कनेक्शन दिये जाने की प्रतीक्षा सूची को समाप्त किया जाना

258. **श्री रामजीलाल:** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा लगाये गये अनुमान के अनुसार टेलीफोन कनेक्शन दिये जाने की प्रतीक्षा सूची वर्ष 1997 तक समाप्त हो जायेगी; और

(ख) इस प्रतीक्षा सूची को समाप्त करने के मानदंड क्या हैं और तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) और (ख) जी हां, राष्ट्रीय दूरसंचार नीति, 1994 में, 1997 तक समस्त देश में व्यावहारिक रूप से मांग पर टेलीफोन कनेक्शन प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। 31.1.96 की स्थिति के अनुसार, टेलीफोन कनेक्शनों को राज्यवार प्रतीक्षा-सूची संलग्न विवरण में दी गई है। (नीचे देखिए) वार्षिक योजना 1996-97 में 32 लाख नए टेलीफोन कनेक्शनों की वृद्धि की परिकल्पना है। इसके अतिरिक्त, मांग पर टेलीफोन प्रदान करने संबंधी दूरसंचार विभाग के प्रयासों के संपूर्ण हेतु, निजी क्षेत्र के लिए मूलभूत टेलीफोन सेवा क्षेत्र भी खोल दिया गया है। इन उपायों के परिणामस्वरूप, आशा है कि 1997 के बाद प्रतीक्षा-सूची की स्थिति चिन्ताजनक नहीं रहेगी।

विवरण

राज्य का नाम	31.1.96 की स्थिति के अनुसार प्रतीक्षा सूची
1. आंध्र प्रदेश	140308
2. असम	17787
3. बिहार	39392
4. गुजरात	224391
5. हरियाणा	80334
6. हिमाचल प्रदेश	21102
7. जम्मू और कश्मीर	26292
8. कर्नाटक	149320
9. केरल	380286
10. मध्य प्रदेश	55797
11. महाराष्ट्र (गोवा+एमटीएनएल बंबई सहित)	317436
12. उत्तर-पूर्व (अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर सहित)	7389
13. उड़ीसा	15211
14. पंजाब	194516
15. राजस्थान	176034
16. तमिलनाडु (मद्रास सहित)	383108
17. उत्तर प्रदेश (पूर्वी)	60984
18. उत्तर प्रदेश (पश्चिमी)	72416
19. पश्चिम बंगाल (सिक्कम और कलकत्ता सहित)	96287
20. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1130
21. दिल्ली	18670
	2478190